

# स्मृतिलोप जन्म के महीने से जुड़ा है

**आ**पके जन्म के महीने का असर इस बात पर पड़ता है कि आपको डिमेन्शिया (स्मृतिलोप) का जोखिम कितना है। हालांकि यह प्रभाव मोटापे जैसे कारकों के सामने बहुत छोटा है, मगर इससे पता चल सकता है कि कैसे आपकी ज़िन्दगी के शुरुआती कुछ महीने आपके संज्ञानात्मक स्वास्थ्य को दशकों बाद प्रभावित कर सकते हैं।

युनिवर्सिटी ऑफ़ रॉस्टाक (जर्मनी) के गैब्रिएल डोबलहैमर और थॉमस फ़िट्ज़ ने जर्मनी की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के डैटा का अध्ययन किया। इसमें 65 से ज़्यादा की उम्र के 1,50,000 लोग शामिल थे। उम्र और पैदाइश के महीने के अनुसार देखने पर पाया कि जो लोग दिसम्बर से फरवरी के बीच में पैदा हुए थे उनमें डिमेन्शिया होने का जोखिम जून से अगस्त के बीच पैदा हुए लोगों की अपेक्षा 7 प्रतिशत तक कम था।

यह कोई ज्योतिष का मामला नहीं है। यह जन्म के महीने के पर्यावरणीय कारकों जैसे मौसम और पोषण से जुड़ा है। यह कहना है जेर्गें वैन डैन बर्ग का जो युनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल, यूके के एक अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने आर्थिक हालात के स्वास्थ्य पर असर का अध्ययन किया है।

उदाहरण के तौर पर, गर्मी में जन्मे नवजात तब बहुत छोटे होते हैं जब उनका सामना अपनी पहली सर्दी के श्वसन सम्बंधी संक्रमण से होता है। अतीत में बसंत और गर्मी में जन्मे बच्चों का जन्म होने तक ताज़े फल वगैरह मिलने बंद हो जाते होंगे। लकड़ी और कोयले से होना वाले

प्रदूषण की भी भूमिका रही होगी।

पूर्व के अध्ययनों से प्राप्त साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के कारक ताउम्र मेटाबॉलिज़्म और प्रतिरक्षा तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं और मधुमेह, मोटापा और उच्च रक्त चाप को जन्म दे सकते हैं। डोबलहैमर और फ़िट्ज़ के परिणाम यह दर्शाते हैं कि यह बात डिमेन्शिया पर भी लागू होती है।

शुरुआती-ज़िन्दगी के दूसरे कारक जैसे आर्थिक मंदी और अकाल भी बाद में संज्ञान सम्बंधी स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन ये कारक तो लोगों की जीवन-शैली और परिस्थितियों पर लंबे-समय तक प्रभाव डालते हैं। डोबलहैमर का कहना है कि जन्म के महीने की कड़ी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पता चलता है कि जीवन का शुरुआती समय महत्वपूर्ण होता है।

एक अनुमान के मुताबिक पूरे विश्व के 37 करोड़ लोग डिमेन्शिया से पीड़ित हैं और हर 20 साल के बाद इसके दुगना हो जाने की उम्मीद है। डोबलहैमर का कहना है कि हालांकि आप अपना जन्म का महीना तो बदल नहीं सकते लेकिन यह बात मायने रखती है कि आप पूरे जीवन के दौरान क्या करते हैं।

दूसरे शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन सीधे तौर पर तो कुछ नहीं कहता है कि जन्म का महीना और डिमेन्शिया के बीच सीधे-सीधे कोई सम्बंध है लेकिन कुछ संभावना तो ज़रूर है। (*स्रोत फीचर्स*)